

आज बेबाक

दिस्त्रि के दंगों को लेकर अगर जनता के नुमाइंदे सियासत नहीं करेगे तो क्या घुड़या छिलेंगे? जब लोगों के घर जलते हैं और दुकानें जलती हैं तभी राजनीतियों की दुकानें चलती हैं। फिर ऐसे दंगे कोई रोज तो होते नहीं। कभी कभार ही इन गिद्धों को भोज नसीब होता है। वैसे इनकी कोशिश तो यही रहती है कि रोज दंगा फसाद हों। इसके लिए ये लगातार भड़काऊ बयानबाजी करते रहते हैं और यदाकदा सफल भी हो जाते हैं। यदि इनकी चले तो ये अपनी पार्टी को चुनाव चिन्ह बदल कर पत्थर, लाठी, बंदूक, छुरा, पेट्रोल बम और तेजाब आदि रख लें।

खास खबर
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर
पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों
को दी शुभकानाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के मौके पर शुक्रवार को वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं दीं। मोदी ने ट्विटर पर अपने शुभकामना संदेश में लिखा, 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमारे वैज्ञानिकों की प्रतिभा और दृढ़ता का सलाम करने का अवसर होता है। नवाचार के प्रति उनके उत्साह और अप्रणी शोध ने भारत और विश्व की मदद की है। मैं चाहता हूँ कि भारतीय विज्ञान का विकास जारी रहे तथा हमारे युवा विज्ञान के प्रति और जिज्ञासा विकसित करें।' उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध वैज्ञानिक सी. वी. रमन ने 28 फरवरी 1028 को रमन प्रभाव की खोज की थी, जिसके लिए उन्हें 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विज्ञान के प्रति युवाओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

26/11 हमलों के हीरो को यौन शोषण मामले में 5 साल की जेल

मुंबई ए। | एक स्पेशल कोर्ट ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्राम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट के तहत पूर्व दमकलकर्मी को 2018 में एक नाबालिग बच्चे का यौन शोषण करने के मामले में दोषी करार दिया है। एक स्पेशल जज ने आरोपी दयानंद कांबळे को पाँचसौ तेहत की धारा 8 और 12 के तहत अपराधी घोषित मानते हुए पांच साल कठोर जेल की सजा सुनाई है। साथ ही 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कांबळे को आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) के तहत आरोप से बरी कर दिया गया है। कांबळे ने मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों में भी आग बुझाने का काम किया था।

3 राजधानी नमस्ते ओरछा की तैयारी ...

4 अभिव्यक्ति अब करनी होगी महिला...

6 मनोरंजन/खेल

जुबैदा के सीक्वल में काम करेंगी करिश्मा...

7 | शहडोल

मंत्री के सामने नेता अधिकारी.

मुख्यमंत्री कमलनाथ बोले... हमारा मकसद मप्र में निवेश की क्रांति लाना

डॉ शिशिर उपाध्याय

इंदौर। बाणगंगा स्थित आशा कर्मेकश्वरी के कार्यक्रम में शामिल होने आए मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा - हमारा प्रदेश पांच राज्यों से घिरा हुआ है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। जोएएनटी आने के बाद इस ताकत में और इजाफा हुआ है। हम इसका पूरा फायदा उठाएंगे। हमारी सोचा और नज्दिया पूरी तरह से स्पष्ट है। हम चाहते हैं कि मप्र में निवेश की एक क्रांति आए। यह केवल शासन की नीतियों से संभव नहीं है। इसके लिए हमें प्रदेशवासियों के



सहयोग की जरूरत है। प्रदेशवासी छोटे नहीं बड़े प्रदेशों से हो यही हमारा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ें, जिससे मकसद है। यहां से सीएम ब्रिलियंट मप्र में आर्थिक तेजी आए। मप्र की तुलना कन्वेंशन सेंटर में **शेष पृष्ठ 5 पर**

897 करोड़ रुपए के कार्यों की दी सौगात

इस एक दिनी इंदौर दौरे में मुख्यमंत्री ने 897 करोड़ रुपए के कार्यों की सौगत इंदौर को दी। मुख्यमंत्री राऊ विधानसभा में जय किसान फसल ऋण माफ़ी योजना के द्वितीय चरण के तहत कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां सांवेर तहसील के 2455 किसानों के 18.07 करोड़, देवापुर तहसील के 4777 किसानों के 34.61 करोड़ और इंदौर तहसील के 2379 किसानों के 17.48 करोड़ रुपए के ऋण माफ़ी का प्रमाण पत्र दिये।

काफी व्यस्त है सीएम का कार्यक्रम

- मुख्यमंत्री कमलनाथ शुक्रवार सुबह 11.30 बजे इंदौर पहुंचे। यहां से अरबिंदो हॉस्पिटल कांग्रेस नेता से मिलने पहुंचे।
- दोपहर साढ़े 12 बजे सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित आशा कनकेशनरी फैक्ट्री का दौरा किया।
- यहां उद्योगों पर दीपक दरियानी और आशा दरियानी से चर्चा की।
- यहां से ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर पहुंचे, जहां कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज के वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए।
- दोपहर 3 बजे पीथमपुर औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों और उद्योगपतियों से चर्चा की।
- दोपहर 5 से साढ़े 5 बजे तक राऊ विधानसभा में किसान कर्जमाफी कार्यक्रम में शामिल हुए। यहीं पर रंगवासना में करीब 40 करोड़ रुपए से बन रहे कनकेशनरी वलस्टर का भूमिपूजन किया।

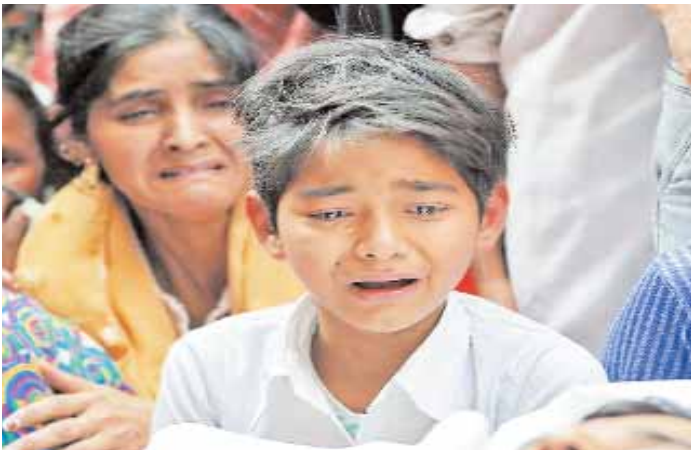
मौत का आंकड़ा पहुंचा 42

दिल्ली हिंसा: सिर्फ जीटीबी अस्पताल में 38 लोगों की मौत

दिल्ली में 23 फरवरी की रात से हिंसा हो रही, अब तक 42 की मौत, 350 से ज्यादा घायल

किसी पर भीड़ ने हमला किया,
किसी पर दंगाइयों ने गोली
चलाई, किसी की दुकान जला दी

नई दिल्ली। पांच दिन से दिल्ली में तनाव है। 23 फरवरी की रात को जाफराबाद मेट्रो स्टेशन पर भीड़ के इकट्ठा होने के बाद भड़की हिंसा, दंगों में तब्दील हो गई। इन दंगों में अब तक 42 की मौत हो चुकी है, जबकि 350 से ज्यादा लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा थमने की बजाय रोज बढ़ता ही जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर लोगों की मौत गोली लगने की वजह से हुई है। जबकि कुछ लोगों की मौत दंगाइयों के हमले से हुई। मरने वालों में सबसे उम्रदराज 85 साल की अकबरी थी। अकबरी का घर दंगाइयों ने जला दिया। उस वक्त वे घर पर ही थीं। जबकि, सबसे छोटे हाशिम और अमन थे। दोनों का उम्र 17 साल ही थी। हाशिम भाई के साथ परिवार वालों के पास जा रहे थे, तभी उन्हें दंगाइयों ने मार दिया और



अमान घर से दूध लेने निकले थे, तभी उन्हें गोली मार दी। दिवंगत के करीब 15 इलाकों में दंगे भड़के। कई लोग जिंदा जला दिए गए, तो कई लोगों को चाकू-तलवार जैसे धारदार हथियारों से हमला कर मार दिया गया। दंगों में जान गंवाने वालों में ज्यादातर लोग गरीब थे। अपने परिवार में इकलौते कमाने वाले भी। किसी की हफ्तेभर पहले ही शादी हुई थी, तो किसी की पत्नी प्रेग्नेंट थी। अभी तक मरने वाले 42 लोगों में से 30 की पहचान हो गई है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं।

पार्षद ताहिर की फैक्ट्री से

फोरसिक टीम ने सबूत जुटाए
नई दिल्ली। दिल्ली हिंसा में मरने वाली
की संख्या 42 हो गई है। शुक्रवार को
कई हिस्सों में शांति रही। पुलिस ने मार्च
किया। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इलाकों में
भारी पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने
यहां एक महीने के लिए धारा-144 लगाई
है। हालांकि, जुमे की नमाज की वजह से
आज 4 चतुर् की ढील दी गई। इस बीच,
फोरेंसिक लेबोरेटरी की टीम ने चांद बाग
इलाके में पाए गए तहिर हसन की फैक्टर से
सबूत जुटाए। गुव्वार को आप ने तहिर
की पार्टी से निलंबित कर दिया था। वहीं,
दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल
शुक्रवार को हिंसा प्रभावित इलाकों का
दूर कर दिया। इस बीच, दिल्ली पुलिस के
पीआरओ एमएस रंधावा ने कहा- अब
तक 123 एफआईआर दर्ज की गई हैं।
इनमें से 25 एफआई हथियारों के
इस्तेमाल को लेकर दर्ज की गई हैं। अब
तक 630 लोगों को हिरासत में लिया गया
है, इनमें से कुछ की गिरफ्तारी भी की गई
है। दिल्ली पुलिस के संयुक्त निदेशक ओपी
मिश्रा शुक्रवार को हालात का जायजा
लेने चांद बाग पहुंचे।

लेने चांद बाग पहुंचे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का आज शिलान्यास करेंगे मोदी

चित्रकूट/हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए यानी शनिवार को चित्रकूट के भारतकूट में बुदेलखंड एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। यह एक्सप्रेसवे फरवरी, 2018 में सकार द्वारा घोषित उमर प्रदेश फिफेंस कॉरिडोर की सहमति में बिंदुओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। बुदेलखंड एक्सप्रेसवे चित्रकूट के भारतकूट के पास से शुरू होकर होते, हमीरपुर, महोबा और औरैया जाते हुए इटावा के कुदरैल गांव के पास यमुना एक्सप्रेसवे से मिल जाएगा। इससे बुदेलखंड से देश की राजधानी दिल्ली तक आने-जाने में

समय और संसाधनों की बचत होगी। 296 किलोमीटर लंबे बुलंदखंड एक्सप्रेसवे से चित्रकुट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया और इटावा जिलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। 14849.09 करोड़ की लागत से बनने वाला यह एक्सप्रेसवे बुलंदखंड क्षेत्र की सड़क मार्ग के जरिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जोड़ेगा। एक्सप्रेसवे बनने से दिल्ली तक की दूरी कम होगी जिससे डीजल और पेट्रोल की खपत घटने से प्रदूषण भी घटेगा, इसके लिए अब तक 95 फीसदी से अधिक भूमि का अधिग्रहण भी हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमजन के मद्देनजर वहां हो रही तैयारियों का जायजा लेने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद चित्रकूट गए थे। नीति आयोग ने कायाकल्प के लिए उत्तर प्रदेश के जिन 8 जिलों को चुना है, उनमें चित्रकूट भी शामिल है। संयोग से चित्रकूट से ही इसकी शुरुआत भी होगी और प्रधानमंत्री यहीं से उसका शिलान्यास भी करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई बार यह कह चुके हैं कि शौर्य, संस्कार और परंपरा की धरती बुंदेलखंड आने वाले समय में उत्तरप्रदेश का स्वर्ग होगी।

बैटक

राज्यपाल टंडन ने ली कुलपतियों की बैठक

सकारात्मक प्रयासों को दिया जाएगा पूर्ण संरक्षण और सहयोग

नवप्रदेश संवाददाता

मोपाल। राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा कि यह कि राष्‍ट्र सेवा के लिए किये जा रहे बड़े बदलावों को दृढ़ता और निभीकता के साथ लागू करें। संसारवत्‍क प्रयासों के द्वारा पूर्ण संरक्षण और समर्पण दिये जायेंगे। राज्यपाल राजधन में कुलपतियों को बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजीव गांधी, श्रीमती जयश्री, विश्वद्यालय द्वारा मंत्री विश्वविद्यालय संगठन विश्वविद्यालय के कार्योद्घमका प्रस्तुतिपर दिया गया। राज्यपाल टंडन ने कहा कि राजीव गांधी विश्वविद्यालय के लिए किये जा रहे



कार्य क्रांतिकारी प्रयास हैं। यह समय-सीमा में पूर्ण हों, यह आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि कार्य पूर्णता पर मिलने वाले परिणाम उच्च शिक्षा व्यवस्था के

प्रेरणा के स्रोत होंगे। राज्यपाल ने कहा कि कार्य के सुचारु संचालन के लिए जरूरी है कि कुलपति पूर्ण आत्म-विश्वास के साथ अधिकारिता के अनुसार स्वतंत्र रूप से कार्य करें। कार्य में आने वाली समस्याओं का समाधान भी करें। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी संसाधनों के लिए विश्वविद्यालयों में परधानी तथा की व्यवस्था नहीं चलेगी। इसे बदलने के लिये आत्म-निर्भरता ही एक मात्र विकल्प है, जो संसाधन और आपसी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्वरूप आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर हो।

राज्यपाल ने इस अवसर पर

एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन
व्यवस्था के निर्माण में सहयोग देने
वाले आई.टी. विशेषज्ञ संचालक, मुंबई
एवं 'दूरवर्ती शिक्षा' स्थापना श्री सज्जन
गुलाटी, सिस्टम प्रोग्रामर प्रभारी
आई.टी.सेल. डॉ. नंदन विपाठी
बकतदत्त विश्वविद्यालय, जैनांगिर
एवं प्रभारी अधिकारी एन.आई.सी.
राज्यधन श्री जिन्दन कुमार पाराशर,
प्राध्यापक, रसायनशास्त्र विभाग,
विजय कुमार अग्रवाल, विभागाध्यक्ष
कम्प्यूटर एप्लीकेशन, डॉ.पी.के.रायचंद
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय
प्रभारी, कम्प्यूटर केन्द्र, देवी अहिल्य
विश्वविद्यालय डॉ. शेष पट्ट ५ पर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कानून की छात्रा से दुष्कर्म मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानन्द पर उत्तर प्रदेश में चल रहे मुकदमे का दिल्ली स्थानांतरित करवाने की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबोड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के सप्ताहिक मामले का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा यह मामला बहुत ही गंभीर है और आरोपी सुखदहाना परिजन हैं तथा पीड़िता और उसके परिवारजनों को पिता को जान का खतरा है।



■ न्यूज गैलरी

वसूली: बकाया राशि अनुसार जूनियर से चीफ इंजीनियर तक के वसूली के दायित्व निर्धारित

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने मैदानी अमले को निर्देशित किया है कि बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन का डिस्कनेक्शन प्रभावी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिस्कनेक्शन के उपरांत उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की जाती है, तो संबंधित परिसर को चेक किया जाए कि कहीं बकायादार ने कनेक्शन जोड़ तो नहीं लिया है। यदि कनेक्शन जोड़ लिया गया है, तो विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत नियमानुसार कार्यवाही की जाए। प्रबंध संचालक ने जूनियर इंजीनियर से लेकर चीफ इंजीनियर तक बकाया राशि अनुसार दायित्व निर्धारित कर दिए हैं और निर्देशित किया है कि वे राजस्व वसूली पर फोकस करें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने कंपनी कार्य-क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि कनेक्शन विच्छेदन की अप्रिय कार्यवाही से बचने के लिए विद्युत बिलों का भुगतान तत्काल सुनिश्चित करें।

नमस्ते ओरछ की तैयारी : क्रीम सिटी में बदला ओरछ

मध्यप्रदेश सरकार 6 से 8 मार्च तक ‘नमस्ते ओरछ’ महोत्सव का आयोजन करने जा रही है

राजमहल में परोसे जाएंगे बुंदेली व्यंजन, महिला झाड़वर ई-रिवशा से कराएंगी नगर की सैर

पिंक सिटी जयपुर की तर्ज पर मुख्य सड़क पर बने सभी मकान-दुकानों को क्रीम कलर से रंगा गया

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। ओरछ महोत्सव की तैयारी जारी है। इस महोत्सव का नाम नमस्ते ओरछ रखा है। ओरछ में 6 मार्च से तीन दिवसीय महोत्सव की धूम रहेगी, जिसे लेकर कमलनाथ सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। सरकार के वाणिज्य कर मंत्री बृजेन्द्र



सिंह राठौर ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात यह है कि ओरछ में राम राजा सरकार राजा के रूप में रहते हैं.

भाजपा पर बोला हमला

मंत्री बृजेन्द्र सिंह राठौर ने कहा कि राम के नाम पर वोट मांग कर जिन्होंने सरकार बनाई उन्होंने कोई ऐसा काम नहीं

किया है. जबकि हमने राम के नाम पर वोट नहीं मांगा, लेकिन इस क्षेत्र के विकास की बात की है.

मध्य प्रदेश का प्रवेश द्वार है ओरछ

मंत्री ने कहा कि ओरछ प्रदेश का प्रवेश द्वार है और यहां 6,7 और 8 मार्च को ओरछ महोत्सव आयोजित करने जा

पीएम मोदी को न्यौता

मंत्री ने कहा कि हम पीएम मोदी को न्यौता देते हैं कि वो आएँ और राम राजा सरकार के सामने माथा टेके. आने वाले दिनों में यूपी बुंदेलखंड में पीएम का दौरा है. मेरी मांग पीएम से है कि एमपी ओर यूपी के बुंदेलखंड के हालात एक जैसे हैं. बुंदेलखंड में पलायन, सूखा की तरफ ध्यान दिया जाए. साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी शुभ काम होता है तो राजा राम के दरबार में माथा टेका जाता है. मेरी मांग है कि पीएम वहां माथ टेककर बुंदेलखंड के साथ समानता व्यवहार करें.

रहे हैं. इसे नमस्ते ओरछ का नाम दिया गया है. मंत्री ने कहा की ओरछ के साथ मध्य प्रदेश को मानचित्र में किस तरह ऊंचाईयों पर लाया जाए इसका पूरा प्रयास किया जा रहा है. यहां तीन नदियों का संगम स्थल है और यहां बुंदेलखंड जैसा विकास होना चाहिए, लेकिन वैसा नहीं हुआ. बुंदेलखंड दो भागों में बंटा है

कर रही है। इसके लिए पिंक सिटी जयपुर की तर्ज पर मुख्य सड़क पर बने सभी मकान-दुकानों को क्रीम कलर से रंगा गया है। मार्च अंत में इंदौर में होने वाले आईफा अवॉर्ड समारोह में भी ओरछ की धार्मिक और ऐतिहासिक छवि की वीडियो क्लिप दिखाई जाएगी। निवाड़ी कलेक्टर अक्षयकुमार सिंह के अनुसार शहर को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए यहां ई-रिवशा चलेगें। खास बात यह है कि इन्हें महिलाएं झाड़व करेंगी।

उत्सव में... बिजनेस मीट और किसान मेला भी

7 मार्च को बिजनेस मीट होगी, जिसे मुख्यमंत्री कमलनाथ संबोधित करेंगे। इसमें उद्योगपतियों के साथ बुंदेलखंड के टूर एंड टेक्स्स ऑपरेटर शामिल होंगे। किसानों के लिए विशेष मेला लगेगा। खेती-बाड़ी की जानकारीयों के अलावा ड्रोन से दवा छिड़कने जैसे आधुनिक तरीके बताए जाएंगे।

मनरेगा में 800 करोड़ रुपये का भुगतान अटका, मध्य प्रदेश ने केंद्र से मांगे एक हजार करोड़ रुपये

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में 800 करोड़ रुपये का भुगतान अटक गया है। इसमें 250 करोड़ रुपये मजदूरी और साढ़े पांच सौ करोड़ रुपये सामग्री के हैं। वहीं, 225 करोड़ रुपये पिछले सालों के केंद्र सरकार ने नहीं दिए हैं। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री कमलेश्वर पटेल ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर उन्हें राशि तत्काल उपलब्ध करवाने का मांग पत्र सौंपा। साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की दूसरी किस्त के 2210 करोड़ रुपये भी जल्द दिलवाने की मांग की। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की राष्ट्रीय संचालन

समिति की बैठक में हिस्सा लेने गए पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री कमलेश्वर पटेल ने बताया कि केंद्र सरकार के ऊपर ग्रामीण विकास योजनाओं की लंबित राशि अब तीन हजार 435 करोड़ रुपये हो गई है। मनरेगा की राशि नहीं देने की वजह से मजदूरी और सामग्री का भुगतान करने नहीं हो पा रहा है। इसका असर योजना के लंबित प्रस्तावों को भी जल्द स्वीकृति देने की मांग रखी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मनोज श्रीवास्तव भी साथ थे।

कांग्रेस नेता की कार चुरायी तो 24 घंटे के अंदर पकड़े गए ये शातिर चोर...

ये चोर टेस्ट ड्राइव के नाम पर शो-रूम से गाड़ी की चाभी लेते थे और फिर उसकी डुबलीकेट चाभी बनवा लेते थे. गाड़ी जब कोई और ग्राहक खरीद लेता था उसके बाद उसे ट्रेस करके ये गाड़ी चुरा लेते थे. इन चोरों के तार अंतर्राज्यीय गिरोह से जुड़े होने की पड़ताल जारी है.

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। पुलिस के लिए कुछ भी

असंभव नहीं, बस अगर वो ठान ले. भोपाल पुलिस ने चोरी गयी एक लज्जरी कार 24 घंटे के अंदर ढूंढ निकाली. सिर्फ कार ही नहीं बल्कि चोरों और उनके पूरे गैंग का खुलासा कर दिया. दरअसल मामला ही कुछ ऐसा था. ये कार भोपाल कांग्रेस जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा की थी. जब चोर पकड़े गए तो हैरान करने वाला खुलासा हुआ. ये चोर टेस्ट ड्राइव के नाम पर शो-रूम से गाड़ी की चाभी लेते थे और फिर उसकी डुबलीकेट चाभी बनवा लेते थे. गाड़ी जब कोई और ग्राहक खरीद

लेता था उसके बाद उसे ट्रेस करके ये गाड़ी चुरा लेते थे. इन चोरों के तार अंतर्राज्यीय गिरोह से जुड़े होने की पड़ताल जारी है. कांग्रेस जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा की चोरी हुई लज्जरी कार को त्राइम ब्रांच पुलिस ने 24 घंटे में ढूंढ निकाला. घटना कुछ दिन पुरानी है जिसका खुलासा अब हुआ है. शातिर चोर 21 फरवरी को मिश्रा की ये नई फार्च्यूनर कार ले उड़े थे. शिकायत मिलने पर फ्राइम ब्रांच पुलिस फौरन एक्टिव हुई और उसने कार के जीपीएस और सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरी गयी कार को देवास

से बरामद कर लिया. साथ ही दो आरोपी भी पकड़े गए. पुछताछ की तो पता चला कि दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं और लज्जरी गाीयां चुराते हैं. पकड़ा गया मास्टर माइंड रतन सिंह देवास में किराये का घर लेकर रह रहा था. पकड़े गए दोनों चोर इतने शातिर हैं कि वो नयी गाड़ी खरीदने के बहाने शोरूम में जाकर गाड़ियों का ट्रायल लेते थे फिर ट्रायल के बहाने गाड़ियों की डुबलीकेट चाभी बनवा लेते थे. जब वह गाड़ी शो-रूम से बिक जाती थी तो उसे देस कर फिर वही गाड़ी चुरा लेते थे.

मोदी-शाह पर दिग्विजय सिंह का हमला, कहा- मैं इंसानियत परस्त

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला है। इसी के साथ ही ट्वीट में दिग्विजय ने खुद को इंसानियत परस्त करार दिया है। सिंह ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, मुझे मुसलमान परस्त कहा जाता है। ना मैं मुसलमान परस्त हूं और ना हिंदू परस्त हूं, मैं इंसानियत परस्त हूं। हर धर्म हमें इंसानियत का रास्ता ही दिखाता है। और यही हमारे सनातन धर्म का सदेश है जो पूरे विश्व को एक ही कुटुम्ब मानता है। नफरत और हिंसा से मोदी-शाह जी अच्छे दिन नहीं आएंगे। सिंह ने अपने ट्वीट के साथ ज्योत्सना चरण दास महंत के ट्वीट को भी कोट किया है, जिसमें कविता की पंक्तियां हैं, दंगों में न हिंदू मरता है, न मुसलमान, मरता है इंसान। न हिंदू धायल होता है, न मुसलमान, धायल होती है इंसानियत, धायल होता है भारत। चलो, अपने अंदर पड़ी कौमी कटुता को हटा के इंसानियत जगाए, भारतीयता जगाए। बता दें कि दिग्विजय सिंह पर बीजेपी की ओर से लगातार मुस्लिम परस्त होने के आरोप लगाते रहे हैं।

ओबीसी आरक्षण मामला

28 अप्रैल से अब हर दिन सुनवाई, हाईकोर्ट का सरकार से सवाल-प्रदेश में कितनी आबादी ओबीसी

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा-सरकारी नौकरियों में इस वर्ग का कितना प्रतिनिधित्व

सरकार की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशांक शेखर ने कहा- इस वक्त ये आंकड़े मौजूद नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में ओबीसी आरक्षण 14 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी करने के मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान चीफ जस्टिस एके मि्तल और जस्टिस विजय शुक्ला की पीठ ने सरकार से पूछ लिया कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कितनी आबादी हैइ उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति क्या हैइ शासकीय नौकरियों में इस वर्ग का कितना



प्रतिनिधित्व है? इस पर सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता शशांक शेखर ने कहा- इस वक्त ये आंकड़े मौजूद नहीं हैं। कोर्ट ने कहा- ये सभी आंकड़े आप कोर्ट में पेश करें। इसके बाद कोई भी दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा। 28 अप्रैल से मामले की नियमित सुनवाई होगी। तब तक प्रदेश में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने पर पूर्व में लगाई गई रोक जारी रखने।

रहेगी। ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने के फैसले के खिलाफ 13 याचिकाएं हाईकोर्ट में लगाई गई हैं। गुरुवार को इन याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई नहीं हो पाई। इसलिए अंतिम सुनवाई तक हाईकोर्ट द्वारा 28 जनवरी का वो आदेश भी यथावत रहेगा, जिसमें पीएससी परीक्षा के उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया जारी रखने।

परीक्षा घोटाला स्कूलों की मान्यता निरस्त करने की सिफारिश, 750 छात्र नहीं दे पाएंगे परीक्षा

फीस बचाने के लिए सामान्य वर्ग के छात्रों को अजा-जजा का बताकर भर दिए फॉर्म ?

कलेक्टर ने बोर्ड को भेजा था प्रतिवेदन, फर्जीवाड़ा करने वालों पर होगी एफआईआर

स्कूल संचालकों की सफाई-हमने नहीं भरवाए फॉर्म, परीक्षा शुरू होने में 4 दिन बाकी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। परीक्षा फीस बचाने के फेर में पोरसा के दो प्राइवेट स्कूल और बरवाई के एक अनुदान प्राप्त स्कूल के संचालकों ने सामान्य वर्ग के 750 छात्रों को अनुपूचित जाति-जनजाति का बताकर परीक्षा फॉर्म भरवा दिए। जांच में यह धोखाधड़ी उजागर हो गई। अब परीक्षा से



मात्र 4 दिन पहले माध्यमिक शिक्षा मंडल से इन तीनों स्कूलों की मान्यता समाप्त करने की सिफारिश की है। साथ ही इन स्कूलों के छात्रों के परीक्षा फॉर्म भी निरस्त कर दिए हैं। ऐसे में अब इन स्कूलों के 750 विद्यार्थी 10वीं और 12वीं की

परीक्षा नहीं दे पाएंगे। इसके साथ ही बरवाई के अनुदान प्राप्त स्कूल का अनुदान रोकने की कार्रवाई भी की जा रही है। जांच में इन स्कूलों के छात्रों के परीक्षा फॉर्म भी निरस्त कर दिए हैं। ऐसे में अब इन स्कूलों के 750 विद्यार्थी 10वीं और 12वीं की

फॉर्म भरवाए थे क्योंकि छात्रों के एडमिशन संबंधी कोई रिकॉर्ड स्कूल में नहीं मिला।

बड़ा सवाल- कियोस्क सेंटर को आईडी और पासवर्ड किसने दिया : हाईस्कूल व इंटर के 750 परीक्षा फॉर्म भरने के लिए स्कूल संचालकों को बोर्ड द्वारा जारी आईडी व पासवर्ड अंबाह के श्रीकृष्ण एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर के संचालक को कैसे मिला और किसने दियाइ यह बड़ा सवाल है। जांच में इस संबंध में जब स्कूल संचालकों के बयान लिए गए तो उनका कहना था कि उनके आईडी व पासवर्ड को किसी ने चुरा लिए हैं। उनका दुरुपयोग कर कियोस्क सेंटर से परीक्षा फॉर्म भरे गए हैं। जांच के बाद यह भी पता चला है कि इन स्कूलों में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की परीक्षा में पास कराने का ठेका लेकर छात्रों के

पासवर्ड चोरी की शिकायत अंबाह पुलिस से की है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परीक्षा फीस के रूपए बचाने के लिए किया फर्जीवाड़ा: पोरसा के एनएसएस हायर सेकेंडरी स्कूल, द विलेज एलीमेंटरी एजुकेशन स्कूल और बरवाई के अनुदान प्राप्त हाईस्कूल के 750 परीक्षार्थियों के परीक्षा फॉर्म अनुसूचित जाति व जनजाति कोटे से भरवा दिए गए जबकि सभी छात्र-छात्राएं सामान्य वर्ग के हैं। स्कूल संचालकों ने ऐसा इसलिए किया ताकि प्रति छात्र परीक्षा फीस के रूप में दिए जाने वाले 1000 से लेकर 1100 रूपए बचाए जा सकें। फर्जीवाड़ा कर स्कूल संचालकों ने पौने पांच लाख रूपए बचा लिए। परीक्षार्थियों को अजा-अजजा वर्ग का दर्शाकर स्कूल संचालकों

ने हाईस्कूल व इंटर परीक्षा फॉर्म भरने के लिए 25 रूपए प्रति छात्र के मान से सिर्फ पोर्टल शुल्क ही खर्च किया। डीईओ के पास इस संबंध में शिकायत आई तो जांच कराई गई। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आ गया। इसके बाद कलेक्टर ने कार्रवाई के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल को प्रतिवेदन भेजा था।

अंबाह के कियोस्क सेंटर से भरवाए परीक्षा फॉर्म : जांच के दौरान पता चला कि पास कराने का ठेका देने वाले स्कूल संचालकों ने अंबाह के श्रीकृष्ण एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से 750 परीक्षार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरवाए थे। इसमें पोरसा का एनएसएस हायर सेकेंडरी स्कूल और द विलेज एलीमेंटरी एजुकेशन स्कूल के अलावा बरवाई का स्कूल शामिल है।



स्थिति को लेकर सीजनल आउटलुट जारी किया है। इसमें बताया गया है कि तटीय कर्नाटक और केरल को छोड़कर दक्षिण भारत के ज्यादातर इलाकों में गर्मी में तापमान सामान्य रहेगा। जबकि पश्चिमी राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के औसत और अधिकतम तापमान में सामान्य से 1 डिग्री या उससे ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है।

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। घनघोर बारिश और कड़ाके की ठंड झेलने के बाद इस बार ज्यादा गर्मी का भी सामना करना पड़ेगा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ समेत पूरे मध्यभारत में इस साल मार्च से मई के बीच का औसत तापमान सामान्य से 0.5 से 1 डिग्री तक अधिक रहने का अनुमान है। केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भारत के सभी 36 मेट्रोपॉलिटिकल डिवीजन के लिए आगामी महीनों में तापमान की

स्थिति को लेकर सीजनल आउटलुट जारी किया है। इसमें बताया गया है कि तटीय कर्नाटक और केरल को छोड़कर दक्षिण भारत के ज्यादातर इलाकों में गर्मी में तापमान सामान्य रहेगा। जबकि पश्चिमी राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के औसत और अधिकतम तापमान में सामान्य से 1 डिग्री या उससे ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है।

इस बार अलग भविष्यवाणी

वर्ष 2016 से भारतीय मौसम विभाग ने मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्टिंग सिस्टम मॉडल के

आधार पर गर्मियों व सर्दियों दोनों मौसम में मौसमी भविष्यवाणी करता है। इस साल विभाग ने क्षेत्रवार तापमान भविष्यवाणी की है। यह भविष्यवाणी 27 साल (1982 से 2008) के वातावरणीय स्थितियों के आधार पर की गई है। भोपाल मौसम केंद्र के उपनिदेशक वेदप्रकाश सिंह के मुताबिक मध्यप्रदेश में इस साल ग्वालियर-चंबल और मालवा रीजन सबसे ज्यादा तपेंगे। पूरे ग्वालियर-चंबल इलाके में तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री तक और इंदौर और उज्जैन संभाग में तापमान 1 डिग्री तक ज्यादा रहेगा।

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, मात्रा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलापा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुरा, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी दुकड़ी 13. एक कालित पथर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी,

अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नाममज्ञ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हिमचक्र देवर्षि 22. महारा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसन्न 24. मग्न, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वागो, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्धाय, अत्याचार, दुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा खुला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रामाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंग, शैव्यता, लिपिकता, सभ्यता और शिष्टता, शस्त्र (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1	2	3	4	5
	6		7	
8	9		10	11
12		12ए	13	14
	16		17	
18	19		20	21
22		23		24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 47 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न
ख		म	ज	टू	र	का	म
वा	द	क		र		सं	ब
इ		ल	रु		म	स्का	य
	बा			वि	हा	र	
सु	धा	क	र		न		औ
रे		म		कि	ता	ब	स
ग		अ	र	सा		हु	रु
	श	क्ल		न	मि	त	न

**चीन के दिग्गज तैराक
सुन यांग पर खेल पंचाट
ने लगाया 8 साल का बैन
नई दिल्ली। चीन के कई बार व
ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियन
तैराक सुन यांग को खेल पंचाट
(कैस) ने डोपिंग को स्वीकार
करने के लिए 8 साल के लि
बैन कर दिया गया है। स्विमिंग क
गवर्निंग बोर्डि फिना फिना ने उनप
डोपिंग के आरोपों को हटया था।**

न्यूज गैलरी

चिकित्सा पर्यावरण संरक्षण शिविर का हुआ आयोजन



शहडोल नवप्रदेश। कोल इंडिया लिमिटेड की अनुबंधी कंपनी भारत सरकार का एक लोक उपक्रम जो कि सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड के द्वारा 28 फरवरी दिन शुक्रवार को सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान, 5 के द्वारा सीएसआर के तहत एक निशुल्क चिकित्सा एवं पर्यावरण संरक्षण शिविर का आयोजन सिंहपुर में स्थित ग्राम पडमनिया खुर्द जिला शहडोल मध्यप्रदेश में आयोजित किया गया। जिसमें सिंहपुर क्षेत्र के आसपास के सभी गांव से आए 400 से अधिक छात्रों व ग्रामीणों। का निशुल्क जांच एवं दवा वितरण किया गया। साथ ही स्वच्छता अभियान के तहत। ग्रामीणों और छात्रों को पर्यावरण जगुरुकता के लिए अनुकूल उत्पादों से निर्मित थैले का भी वितरण किया गया। इस आयोजन के प्रमुख आलोक श्रीवास्तव ए क्षेत्रीय संस्थान बिलासपुर के हिमांशु वशिष्ठ शिविर प्रभारी सिंहपुर अधिकृत जयसवाल सहायक प्रबंधक डॉ ओमप्रकाश सहित चिकित्सा अधिकारी एवं उनकी मेडिकल टीम के द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जिस देख कर। ग्रामीणों ने काफी सराहा। और आगे भी इस तरह के कैम्प को आयोजित करने की बात भी कही। इस कैम्प से ग्रामीण जनों को स्वास्थ्य लाभ भी मिला है।

गौसेवा विकसित करने खनिज मंत्री को सौंपा ज्ञापन



शहडोल नवप्रदेश। अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान की गौसेवा टीम द्वारा खनिज मंत्री प्रदीप जयसवाल को गौसेवा टीम के गौरव मिश्रा, रिसम मिश्रा, मोहित गुप्ता, उत्कर्ष सिंह, राहुल आर्य, मोनू नामदेव,हर्षित सिंधिया ने सेवा हेतु 9 सूत्री मांगे सौंपी। जिनमें आर्थिक सहायता, पशु एवंलुप्त,गोचर भूमि की व्यवस्था एवं उच्च प्रजाति की घास को विकसित करना,पशु संजीवनी केंद्र को और सक्रिय बनाना एवं पूरी तरह से निशुल्क करना, पशु के उपचार में सबसे जरूरी चीज होती है उन्हें पकड़ना और नियंत्रण में रखना, इसके लिए हर जिले में पांच गौ सेवक नियुक्त करना एवं जरूरी उपकरण की व्यवस्था करना। मध्य प्रदेश शासन के वचन अनुसार गौशाला का त्वरित निर्माण, पशु चिकित्सालय में जरूरी दवाइयां उपलब्धि करवाना, भ्रष्ट और लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई, देशी गाय की नस्ल को विकसित करना,कुत्तों के लिए नसबंदी केंद्र और नसबंदी की व्यवस्था करना आदि शामिल हैं।

सोहागपुर में गांजे का अवैध व्यापार : आईजी से शिकायत

शहडोल नवप्रदेश। सोहागपुर धीरे-धीरे गांजा तस्करी का अड्डा बनता जा रहा है। एक व्यक्ति यहां व्यापक पैमाने पर इस धंधे को अंजाम दे रहा है। इस संबंध में सोहागपुर के कई नागरिकों ने संयुक्त रूप से पुलिस महानिरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कर संबंधित धंधेबाज का जिला बंदर कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन में लोगों ने आरोप लगाया है कि बाई नंबर चार गढ़ी के पास रहने वाला राम प्रसाद विश्वकर्मा नामक एक व्यक्ति वर्षों से अवैध रूप से गांजे का थोक व फुटकर कारोबार कर रहा है। इसकी पुलिस में कई बार शिकायतें हो चुकी हैं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। गांजे के खरीददार यहां लोगों से गाली गलौच कर अभद्रता करते हैं। शिकायत करने वालों में सरफराज अली तमा, अशोक सोनी, प्रमोद विश्वकर्मा, रबीद अली, रविशंकर विश्वकर्मा, जाहिद अली, आफरीन निशा, लखन विश्वकर्मा, इशहाक अली आदि सहित कई लोग शामिल थे।

मंत्री के सामने नेता अधिकारी के बीच तीखी बहस....

चोर ने लगाया अधिकारी पर आरोप....

नव प्रदेश संवाददाता

शहडोल । सरकारी दौरे पर आए मध्य प्रदेश के खनिज मंत्री प्रदीप जायसवाल के सर्किट हाउस प्रवास के दौरान हुई कांग्रेस नेता प्रदीप सिंह साकिर फारुकी और उनके छोटे भाई मुजीब द्वारा जिले की खनिज अधिकारी फरहत जहां के ऊपर अवैध खनन को प्रोत्साहन देने संरक्षण देने और जानकारी देने के बावजूद कार्रवाई न करने का संगीन आरोप लगाया जिस पर पलटवार करते हुए जिले की खनिज अधिकारी फरहत जहां ने कड़ी कार्रवाई करने के कई मामले कांग्रेस नेताओं के सामने तथ्य के साथ रखें वही बहस के बीच कांग्रेस नेता साकिर फारुकी उसके भाई मुजीब और उसके पूरे खानदान पर खली चोरी के आरोबार में लिप्त होने का पलटवार किया । नेता और अधिकारियों के बीच चल रही गरमा गरम बहस के दौरान कमरे के अंदर बैठे मंत्री प्रदीप जायसवाल अपने कार्यक्रम स्थल पहुंचने के लिए जैसे ही कमरे से निकले वहां बाहर का माहौल काफी गर्म था जिस पर मंत्री द्वारा माहौल को शांत कर दोनों ही पक्षों को अपनी-अपनी समस्याओं को उठ ले बात रखने की बात करते हुए मामले को शांत किया गया । सर्किट हाउस के गलियारे में हुई इस बहस के दौरान पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा और दोनों पक्षों को अलग-अलग जाने का निवेदन भी किया गया।

अपनी मनमानी करवाना चाहते हैं नेता मंत्री ने नहीं दिया समर्थन.....



कांग्रेस नेता मुजीब ने किया है रेत चोरी.....

वीडियो में खनिज अधिकारी के विरुद्ध मुर्दाबाद का नारा बुलंद करने वाले कांग्रेस नेता ने 14-15 लाख की रेत चोरी व भंडारित किया था । जिस पर खनिज विभाग कार्रवाई करते हुए जमी प्रकरण बनाया गया था । जिस की गई रेत को मुजीब की सुपुर्दगी में खनिज विभाग सौंप दिया जिसके बदले जुर्माने की राशि के रूप में 1500000 रुपए लगभग जमा किया जाना था जिसे आज दिनांक तक जमा नहीं किया गया खनिज विभाग ने इस संबंध में मुजीब को नोटिस भी जारी किया है। ऐसे व्यक्ति द्वारा मध्य प्रदेश के खनिज मंत्री और जिले के आला अधिकारियों के सामने आरोप-प्रत्यारोप लगाना ऐसे कांग्रेस नेताओं के चाल चरित्र और चेहरे पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है । वही बातें दी पार्टी का अनुशासन की करें कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास रखने वाली पार्टी के रूप में जानी जाती है जहां अपने बात रखने

की स्वतंत्रता भी सभी कार्यकर्ताओं को प्राप्त है अपने ही मंत्री के सामने अपने ही सरकारी अमले से खुलेआम आरोप-प्रत्यारोप से कहीं ना कहीं जिले सहित प्रदेश में पार्टी की छवि को नुकसान होने की की बात जन चर्चा का विषय बना हुआ है आज चर्चाएं इस बात की भी है की सोनबरसा में एक खनिज कारोबारी के विरुद्ध नेताजी द्वारा कार्रवाई किया जाने का जबरदस्त दबाव विभाग पर डाला जा रहा है। जबकि विभाग द्वारा एक नहीं दो दो बार उस खनिज कारोबारी की जांच की जा चुकी है जिसमें कुछ भी गलत सामने नहीं आया। लेकिन नेताजी को हर हाल में कार्यवाही करवानी है इसी बात की नाराजगी शायद आज आरोप-प्रत्यारोप के बीच में दिख रहे नेताजी के आक्रोश से आकलन किया जा सकता है । हालांकि बहस के दौरान मामला अवैध कोयले के कारोबार से जुड़े एक कारोबारी को लेकर की जा रही थी।

यह खबर के हुए पहलू है जो वायरल वीडियो के माध्यम से देखा और सुना जा सकता है इस

वीडियो के पीछे की असली कहानी की पड़ताल किया जाने के बाद इस बहस और उसके

लोपो ने अपने मोबाइल कैमरे कैद कर लिया और सोसाल मीडिया में वायरल कर दिया । जो अब

सुर्खिया बटोर रही है । हालांकि इस वायरल वीडियो में साफ तौर पे देखा जा सकता है किस तरह

से एक अकेली महिला अधिकारी कई कॉंग्रेसी नेताओं का डटकर मुकाबला कर रही है ।

रेत का अवैध उत्खनन परिवहन और भण्डारण करने वाले के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही: खनिज साधन मंत्री

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कांफ्रेंस में खुला मामला

नव प्रदेश संवाददाता

शहडोल। जिले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की नई दिल्ली स्थित मुख्य पीठ ने एक याचिका में सुनवाई के दौरान पाया था कि प्रदेश की 22 नदियां जिनमें सोन नदी भी शामिल है, नदी में मिलने वाले दूषित जल के उपचार के लिए एसटीपीए वृक्षारोपण के साथ नलकूपों के सर्वेक्षण के आदेश जारी किये थे। लेकिन अभी तक जिम्मेदार विभागों ने इस मामले में कोई पहल नहीं की। मंगलवार को भोपाल में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय में आयोजित हुई केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली की वीडियो कांफ्रेंस में जिम्मेदार विभागों की कार्रगुजारियां खुलकर सामने आईं।अदालत ने भी नदी किनारे दोनों ओर पेड़ लगाने के दिये थे। समीक्षा बैठक में खुलकर जिम्मेदार विभागों की लापरवाही खुलकर सामने आई है। जिले की सोन नदी के एक्शन प्लान की समीक्षा में विभिन्न विभागों की कई

खामियां सीपीसीबी को देखने को मिली है। जिसे समय पर दुरुस्त करने के निर्देश दिये गये हैं। वृक्षारोपण नहीं कराया गया है और नलकूपों की स्टडी रिपोर्ट भी अभी तैयार नहीं हुई है।

नलकूपों का नहीं हुआ सर्वेक्षण

याचिका में ही एनजीटी ने केन्द्रीय भू-जल आयोग को आदेश जारी किये थे कि सोन नदी के किनारे पूर्व में निर्मित नलकूपों की स्टडी कर एक रिपोर्ट तैयार की जाये। लेकिन समीक्षा के दौरान केन्द्रीय भू-जल आयोग के द्वारा इस काम की भी शुरुआत नहीं की गई। प्रदेश सरकार ने 15 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली में अमानत के तौर पर जमा की हैए अगर 31 मार्च तक उक्त कार्य नहीं हुआ तोए राज्य सरकार के 15 करोड़ की राशि राजसात हो जायेगीए लापरवाह अधिकारियों के चलते सरकार के खजाने में सेंध लग सकती है। व्हीसी में सीपीसीबी के अधिकारियों ने

एमपीपीसीबी के अधिकारियों के साथ ही विभिन्न संभागीय कार्यालयों में पदस्थ क्षेत्रीय अधिकारियों से नदियों के संरक्षण के लिए कार्य करने के लिए बनाये गये एक्शन प्लान की समीक्षा की और कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

लगेगा 10 लाख प्रतिमाह हर्जाना

इस दौरान सीपीसीबी के अधिकारियों ने बताया कि अगर कोई भी नगरीय निकाय 31 मार्च तक एसटीपी का निर्माण नहीं करती है तोए उसे एनजीटी के आदेशों के तहत 10 लाख रुपये प्रतिमाह तक का हर्जाना अदा करना होगा। वीडियो कांफ्रेंस में जल संसाधन विभाग, वन विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग व बोर्ड मुख्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। क्षेत्रीय कार्यालय शहडोल के क्षेत्रीय अधिकारी संजीव कुमार मेहरा व वैज्ञानिक डॉ. आनंद कुमार दुबे ने व्हीसी में बताया कि धनपुरी नगर पालिका द्वारा एसटीपी निर्माण कार्य के लिए पर्यावरण सलाहकार की नियुक्ति की जा चुकी है।

खनिज विभाग की संभागा

स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

नव प्रदेश संवाददाता

शहडोल। प्रदेश के खनिज संसाधन मंत्री प्रदीप जायसवाल ने रेत का अवैध उत्खनन परिवहन और भण्डारण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। खनिज मंत्री ने कहा है कि रेत एवं अन्य खनिजों और अवैध उत्खनन परिवहन और भण्डारण पर सख्ती से रोक लगाई जाए। खनिज संसाधन मंत्री शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में खनिज विभाग की संभागा स्तरीय बैठक में अधिकारियों निर्देश दे रहे थे। बैठक में खनिज संसाधन मंत्री ने खनिज राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि पुरानी खनिज राजस्व वसूली के भी प्रयास किये जाए। पुरानी खनिज राजस्व वसूली के लिए तहसीलदारों को प्रोत्साहित किया जाए तथा समुचित अमला मुहैया कराया जाए। बैठक में गौण खनिज राजस्व वसूली की समीक्षा



करते हुए खनिज संसाधन मंत्री ने निर्देश दिए कि गौण खनिज से भी राजस्व बढ़ाने के प्रयास किये जाए तथा गौण खनिज विभाग नरेन्द्र सिंह परमार, कलेक्टर अनुपपुर चन्दमोहन ठाकुर, कलेक्टर उमरिया स्वरांशिश सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल पार्थ जायसवाल सहित शहडोल संभागा के सभी खनिज अधिकारी भी उपस्थित रहें।

के सभी जिलों में खनिज के ठेकेदारों को समुचित सुरक्षा भी देना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सचिव खनिज संधन विभाग नरेन्द्र सिंह परमार, कलेक्टर अनुपपुर चन्दमोहन ठाकुर, कलेक्टर उमरिया स्वरांशिश सोमवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल पार्थ जायसवाल सहित शहडोल संभागा के सभी खनिज अधिकारी भी उपस्थित रहें।

माइनिंग कारपोरेशन भवन का हुआ लोकार्पण

नव प्रदेश संवाददाता

शहडोल। एक दिवसीय दौरे पर शहडोल आए मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट और खनिज मंत्री प्रदीप जायसवाल ने माइनिंग कारपोरेशन के शहडोल सम्भागीय कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व उर्जा मंत्री बिसाहू लाल सिंह सहित कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह अनूपपुर जिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल,करतार सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी व खनिज अधिकारी सुश्री फरहत जहां और माइनिंग कारपोरेशन के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे । गौरतलब है कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद नई खनिज नीति लागू की गई और उसी क्रम में अब माइनिंग कारपोरेशन को वृहद अधिकार दिए गए हैं खनिज मंत्री द्वारा माइनिंग कारपोरेशन कार्यालय शहडोल में शुभारम्भ किये जाने के बाद इस विभाग से जुड़े कई कार्य शहडोल में ही संपन्न हो जाऐगे जिससे आम लोगों को कई सुविधाएं होंगी इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं सहित खनिज मंत्री और बिसाहू लाल सिंह ने अपना उद्घोषण दिया। विदित हो कि इससे पहले माइनिंग कारपोरेशन काहे कार्यालय कटनी में स्थित था जिस कारण खनिज व्यवसाय से जुड़े लोगों को काम के लिए कटनी के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन प्रदेश सरकार और खनिज मंत्री द्वारा शहडोल में माइनिंग कार्यालय कारपोरेशन ऑफिस के खुल जाने खोल दिए जाने से अब इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को काफी राहत होगी।



